दिनांक 6 नवम्बर, 2022 को इलाहाबाद यूनिवर्सिटी एल्यूमिनाई एसोसिएशन के राजस्थान चैप्टर के उद्घाटन समारोह के अवसर पर श्री पंकज मित्थल, माननीय मुख्य न्यायाधिपति, राजस्थान उच्च न्यायालय का संबोधन

:::

इलाहाबाद विश्वविद्यालय पुराछात्र परिषद की राजस्थान इकाई के उद्घाटन समारोह में उपस्थित–

श्री कलराज जी मिश्र,
माननीय राज्यपाल महोदय, राजस्थान।

माननीय न्यायाधिपति श्री एस.एन. भार्गव,
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम उच्च न्यायालय।

श्री उमेश मिश्रा,
पुलिस महानिदेशक, राजस्थान।

श्री सुरेश कुमार सिंह
अध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एल्यूमिनाई एसोसिएशन

श्री नवीन चन्द्रा
महासचिव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एल्यूमिनाई एसोसिएशन

उपस्थित पूर्व छात्रगण एवं समस्त गणमान्य अतिथिगण

———

1 सर्वप्रथम मैं इलाहाबाद यूनिवर्सिटी एल्यूमिनाई एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित इसके समस्त सदस्यों को धन्यवाद प्रेषित करता हूँ जिन्होंने इस समारोह का जयपुर में आयोजन किया है। उनका ये प्रयास अत्यंत ही सराहनीय है।

2 मैं इस बात से गौरवान्वित हूं कि मैं भी उसी इलाहाबाद विश्वविद्यालय का छात्र रहा हूं, जिसकी देश–विदेश के आधुनिक और गुणवत्ता वाले शिक्षण संस्थान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान है। जो शिक्षा के उच्च स्तर के कारण ''पूर्व का ऑक्सफोर्ड'' माना जाता है।

3 यह भी प्रसन्नता की बात है कि विश्वविद्यालय के एल्यूमिनाई एसोसिएशन के राजस्थान चेप्टर का यहां यह उद्घाटन मेरे राजस्थान आने के बाद हो रहा है। मैं अपने उस शिक्षण संस्थान के प्रति कृतज्ञता जताते हुए इस अवसर पर अपने उन सभी शिक्षकों को नमन करता हूं जिन्होंने हमें पढ़ाया। उनके दिए शिक्षण संस्कारों के कारण ही आज मैं इस मुकाम तक पहुंच सका हूं।

4 राजस्थान में अपने सभी पूर्व छात्रों का मैं अपनी ओर से भी अभिनंदन और स्वागत करता हूं। शिक्षा जगत में इलाहाबाद विशविद्यालय एक अमूल्य व अनूठा स्थान रखता है और यहां से शिक्षा प्राप्त करने का अलग ही रोमांच व गौरव है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पढ़ने के संस्कार ही ऐसे हैं कि आपको नया कुछ करने के लिए और जीवन में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरणा मिलती है।

5 राजस्थान सांस्कृतिक विविधता का अनूठा प्रदेश है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़कर राजस्थान में आकर यहां विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले पूर्व छात्रों की बड़ी संख्या है। आज इस राजस्थान चेप्टर के गठन से वह सभी एल्यूमिनाई एसोसिएशन से सीधे जुड सकेंगे और मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह एसोसियेशन राष्ट्र विकास के रचनात्मक कार्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगी।

6 यहां उपस्थित आप सभी पुराछात्र अपने–अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सेवाओं से जुडे हुए हैं। एल्यूमिनाई एसोसिएशन वह प्लेटफॉर्म है जहां पर हम सभी एक–साथ मिल–बैठकर अपने विचार साझा कर सकते हैं। हम सभी अब एक प्रकार से विश्वविद्यालय के यहां राजस्थान में ब्रांड एम्बेसेडर हैं।

7 इस विश्वविद्यालय ने देश को पूर्व में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, कई प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री, अर्थशास्त्री, साहित्यकार, जिनकी एक लम्बी सूची है, दिए हैं, जिन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में अपनी कार्यकुशलता से ख्याति प्राप्त की है और इस विश्वविद्यालय का मान–सम्मान एवं गौरव बढ़ाया है। वर्तमान में भी न केवल देश के विभिन्न शहरों में बल्कि विदेशों में भी इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त अनेक ऐसे सम्मानीय व्यक्ति हैं जो विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर आसीन है और पूर्ण कुशलता से अपने अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

8 वर्ष 2005 में डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी के अथक प्रयासों से इसे केन्द्रीय विश्वविद्यालय घोषित किया गया था। वर्ष 2021 में इस विश्वविद्यालय के आठ शिक्षकों को यूनाईटेड स्टेट ऑफ अमेरिका स्थित स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा जारी वार्षिक एलिट सूची में स्थान प्राप्त हुआ है जो अपने आप में गर्व का विषय है। इस उपलब्धि ने विश्व पटल पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय को एक नयी पहचान दी है और यहां प्रदान की जा रही शिक्षा के उच्च स्तर को इंगित किया है।

9 मैं न्याय व्यवस्था से सीधे तौर पर जुड़ा हूं और यह महसूस करता हूं कि आज भी न्याय व्यवस्था में आम जन का पूर्ण विश्वास है। हमें यह विश्वास बनाये रखना है। इसके लिए अभी हमें कठिन परिश्रम व सार्थक कदम उठाने हैं। देशवासियों को सस्ता व त्वरित न्याय उपलब्ध हो, इसके लिए हमें अथक प्रयास करने हैं वरना आजादी के समय संजोये सपने अधूरे

ही रहेंगे। हमें संवैधानिक व्यवस्थाओं को भारतीय संस्कृति व सभ्यता के साथ समन्वय बैठाते हुए देश की न्याय व्यवस्था को आगे ले जाना है।

10 मैंने वर्ष 1981–82 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी.कॉम की उपाधि प्राप्त की थी। डॉ. फिराक गोरखपुरी, डॉ. हरिवंश राय बच्चन एवं डॉ. रामकुमार वर्मा जैसी जानी मानी हस्तियों से मेरा उस समय व्यक्तिगत परिचय हुआ और मुझे न्यायमूर्ति श्री प्रेमशंकर जी गुप्ता के साथ इन सभी के साहित्यिक कार्यक्रमों में जाने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।

11 इलाहाबाद विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य **'जितनी अधिक शाखाएँ, उतने अधिक वृक्ष'** हैं जिसे लेटिन भाषा में *"Quot Rami Tot Arbores"* कहा जाता है, की सार्थकता वर्तमान समय में परिलक्षित हो रही है, क्योंकि आज इलाहाबाद यूनिवर्सिटी एल्यूमिनाई एसोसिएशन के राजस्थान चैप्टर का उद्घाटन किया जा रहा है और हमें पूर्ण विश्वास है कि देश के अन्य शहरों में भी इसी तरह की शाखाओं का उद्घाटन शीघ्र ही किया जाएगा।

12 विश्वविद्यालय जीवन की यादें व्यक्ति कभी भूलता नहीं है। वह जीवनभर हमारे साथ रहती है, पर इस समय हमारा यह कर्तव्य है कि हम समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का भली–भांति निर्वहन करें। प्रतिस्पर्धा के इस युग में यह जरूरी है कि हम लक्ष्य निर्धारित कर अपने कार्यों में ही नहीं समाज को भी अपना श्रेष्ठतम देने का प्रयास करें।

13 आज इलाहाबाद विश्वविद्यालय को देशभर में उभरते नये विश्वविद्यालयों से प्रतिस्पर्धा करनी है। इसके लिए हमारी पुरानी उपलब्धियाँ बहुत मायने नहीं रखती हैं बल्कि हमें भविष्य में क्या करना है उस और देखना होगा। हमें वर्तमान समय के शैक्षणिक वातावरण में अपने को ढालना है और आगे बढना

है। मैं समझता हूँ कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय अपनी पहली महिला कुलपति श्रीमती संगीता श्रीवास्तव के नेतृत्व में न केवल अपना परचम देश विदेश में फहराने में सफल होगा बल्कि अपनी पहली पहचान "Oxford of the East" को पुनः प्राप्त करेगा।

14 यह बहुत महत्वपूर्ण है कि राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री कलराज मिश्र जी ने संविधान की संस्कृति के प्रभावी प्रसार के लिए निरंतर कदम उठाए हैं। हम सभी का भी यह दायित्व बनता है कि हम संविधान प्रदत्त अधिकारों के साथ ही मूल कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहें। संविधान सर्वोपरि है, उसको ध्यान में रखते हुए समाज में समानता, सद्भाव और भाईचारे की संस्कृति के लिए आईए हम सभी मिलकर कार्य करें।

15 मैं एक बार पुनः इस कार्यक्रम के आयोजकों को हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने मुझे इस कार्यक्रम में सम्मिलित कर गौरवांवित किया है तथा अपने पुराने साथियों एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिलने का सुअवसर प्रदान किया है। आप सबसे यहां मिलकर जो स्नेह व अपनापन मिला वह निश्चित ही अभिभूत करने वाला है। इसका वर्णन शब्दों में कर पाना मेरे लिये असंभव है। मेरी यह शुभकामना है कि हमारी यह एसोसियेशन निरन्तर आगे बढे और विश्वविद्यालय के दिए संस्कारों की रोशनी में हम राष्ट्र के विकास में सहभागी बनें। आशा करता हूं आप सबसे निकट भविष्य में फिर मिलना होगा।

आप सभी का बहुत बहुत आभार।

धन्यवाद।

जय हिन्द!